

Chapter → १ शासाभ्यनिका अभिवियां रूप समीकरण

परिवर्तन

↓
भौतिक
परिवर्तन

शासाभ्यनिका
परिवर्तन

- वोई नया पदार्थ नहीं बनता।
- नई पदार्थ बनते हैं।
- तापमान में परिवर्तन।
- रुचार्थी परिवर्तन।
- इन्हें रिवर्स किया जा सकता है।
- अपरिवर्तनीय होते हैं।
- ex → बरफ का पिघलना
→ मिलना या मिश्रण।
- किसी चीज की उबलना।
→ वागाज का जलना।
- किसी चीज की पिघलाना।
→ किसी भी चीज का पकाना।

शासाभ्यनिका परिवर्तन की पहचान :-

- (i) रंग में परिवर्तन
- (ii) गृहिणी का बुनना
- (iii) तापमान में परिवर्तन
- (iv) अवरुद्धा में परिवर्तन

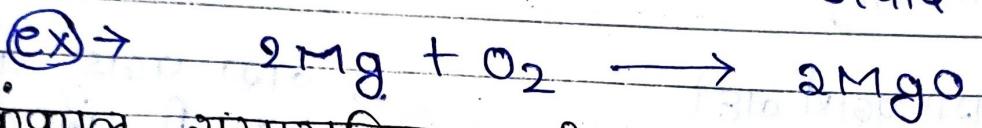
सिरका + बिंकिग सौडा

- ex →
- बुलबुले बूजते हैं।
- तापमान में गिरावट।

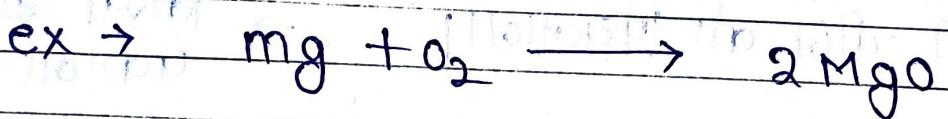
रासायनिक समीकरण \rightarrow
रासायनिक अभिक्रिया का ज्ञानीयिका निवेदण की
रासायनिक अभिकरण काष्ठलाता है।



अभिकरण उत्पाद

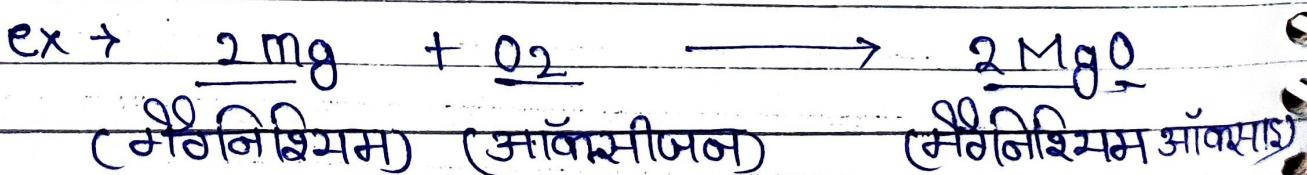
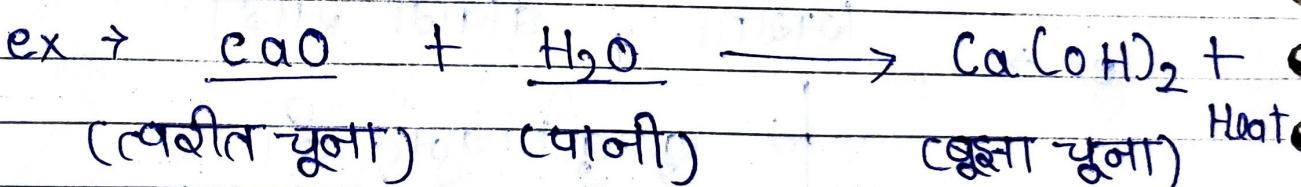


वांकाल रासायनिक समीकरण \rightarrow
कि रासायनिक समीकरण का सरल निवेदण
जिसमें कपल अभिकरण की ओर उत्पाद की संवेदन
मा सूत्र दिया जाता है उन्हें वांकाल रासायनिक
समीकरण कहते हैं।

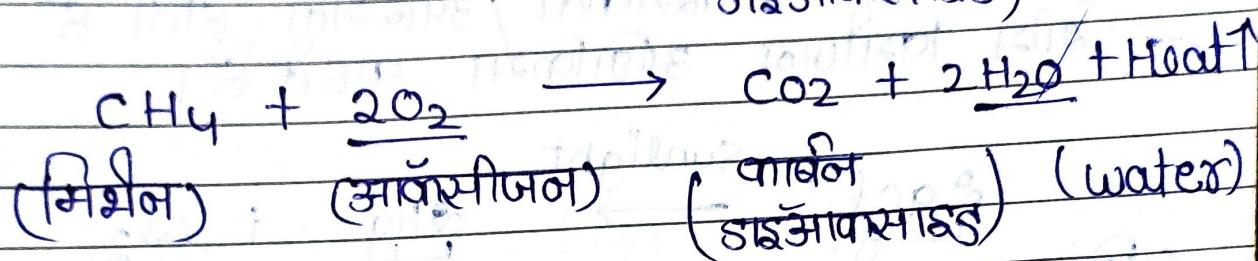
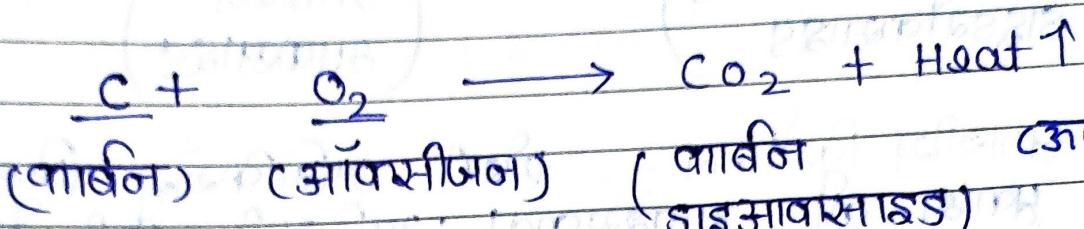


रासायनिक अभिक्रियाओं के दृश्यारोग \rightarrow

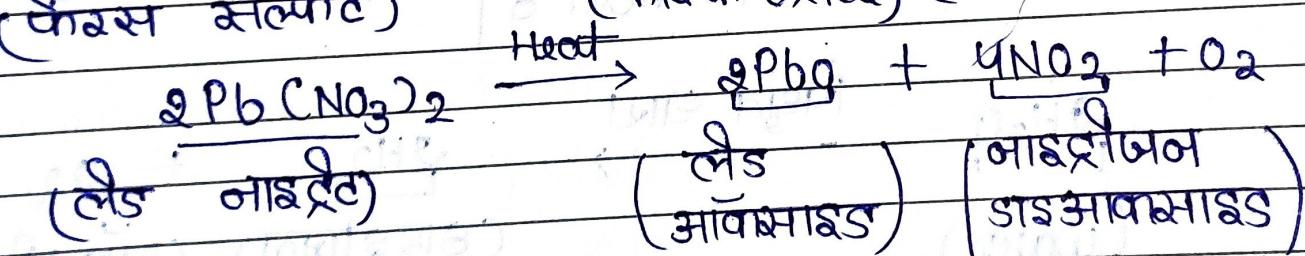
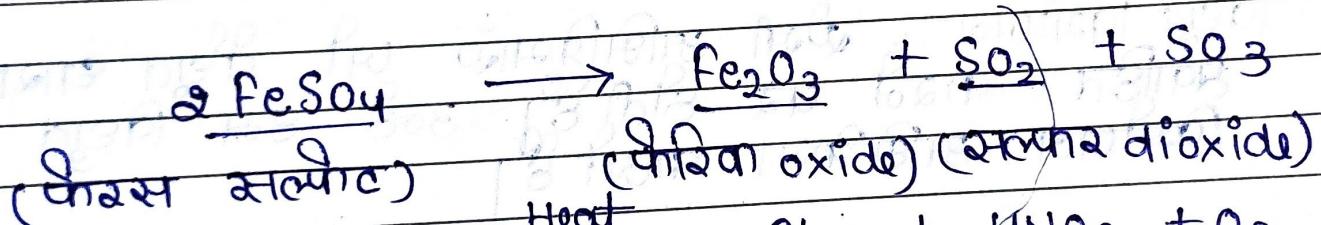
(i) संगीजन अभिक्रिया \rightarrow जब दो या दो से अधिक
अभिकरण मिलकारे तो उत्पाद बनाते हैं जो की
अभिक्रिया की संगीजन अभिक्रिया पाहत है।



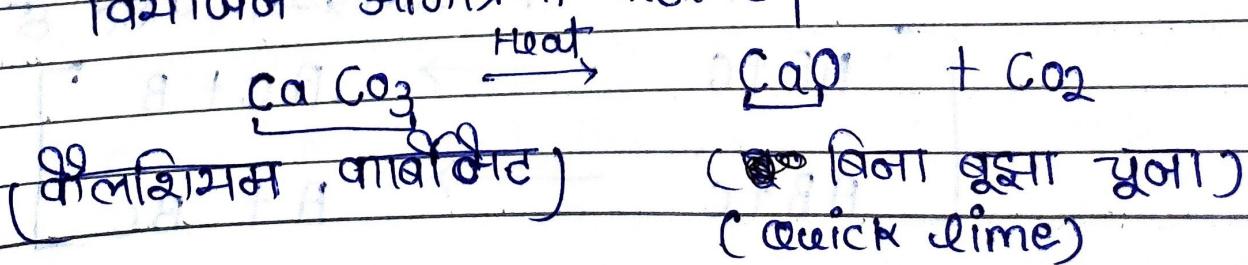
→ अमाहीपी अभिप्रिया → हूस प्रकार की अभिप्रियाओं में
जहां उत्पन्न होती है।

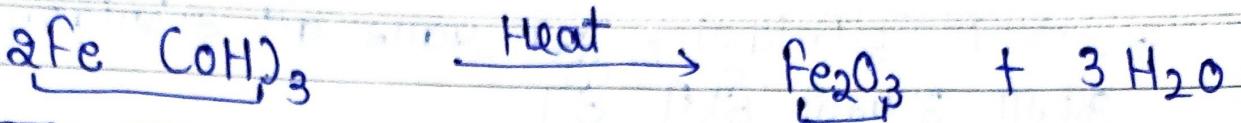


2. विशेष अभिप्रिया → ऐसा अभिप्रारब्ध है जिसके दी
भावकर्ता अधिक उत्पाद बनाता है तो उसी
अभिप्रिया की विशेष अभिप्रिया बढ़ती है।



(i) अधीक्ष विशेष अभिप्रियाएं जिसमें उष्मा
की जरूरत पड़ती है उसी अभिप्रियाओं की उष्मी
विशेष अभिप्रिया बढ़ती है।





(आहरन - आपस्माहर
हाइड्रोक्साइड)

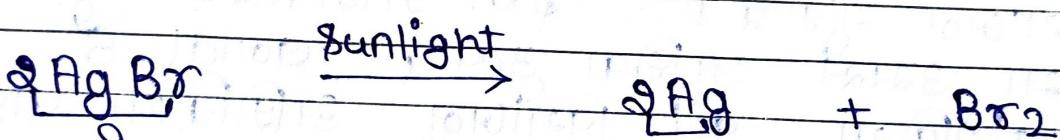
(आहरन
आपस्माहर) (पानी)

(ii) स्थाषीय पिंडीजन \rightarrow ऐसी अभिक्रियां हैं जिसमें क्षुर्मी की पृष्ठाओं की आपस्मयता / उपरिभूती होती है तब्दी पृष्ठा खींच पिंडीजन अभिक्रिया वाहते हैं।



(सिल्वर कलीयाहर)

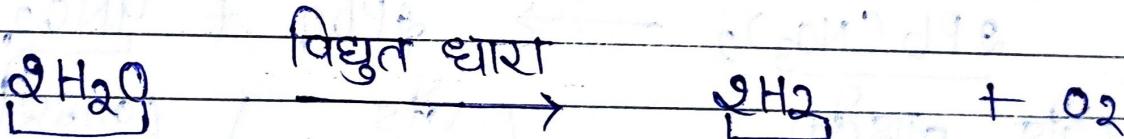
(सिल्वर) (कलीरिन)



(सिल्वर ब्रॉमाहर)

(सिल्वर) (ब्रॉमाहर)

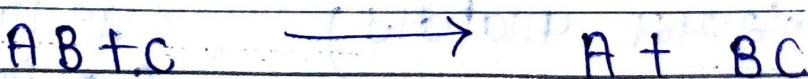
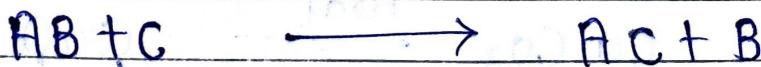
(iii) विद्युत पिंडीजन \rightarrow ऐसी अभिक्रियाएँ ही विद्युत धारा प्रवाहित करने पर होती हैं तब्दी इन विद्युत पिंडीजन अभिक्रिया वाहते हैं।

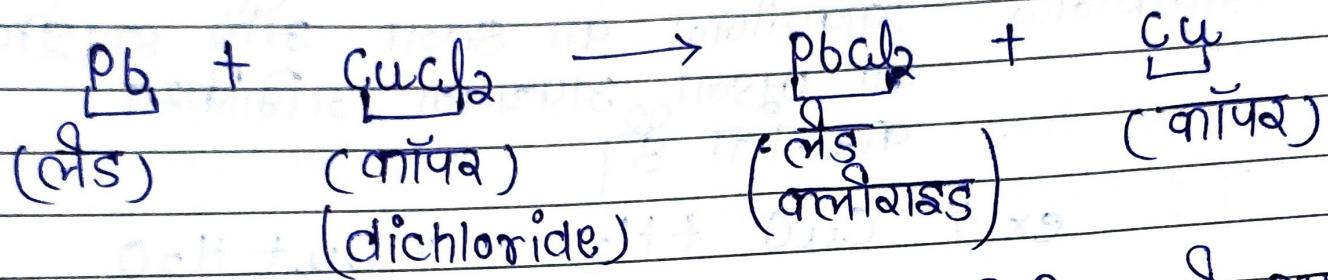
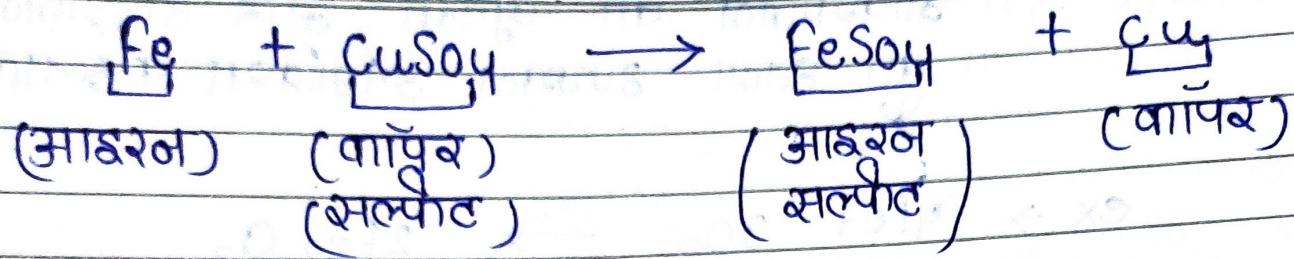


(Water)

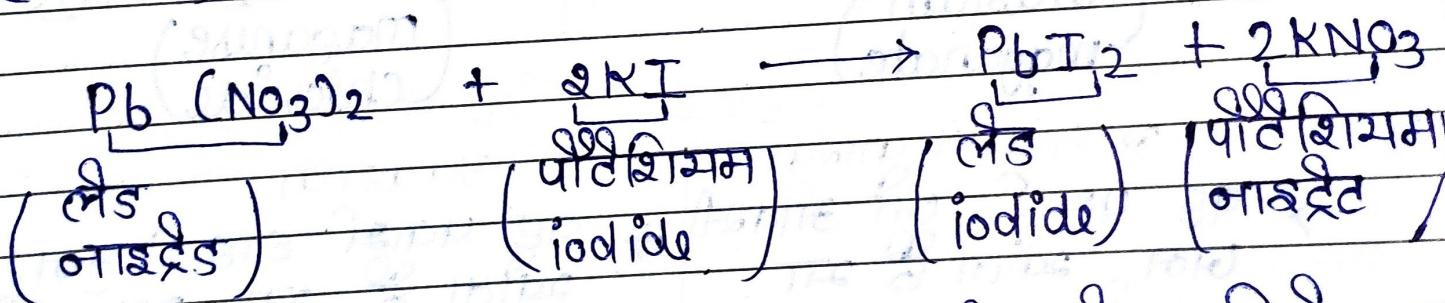
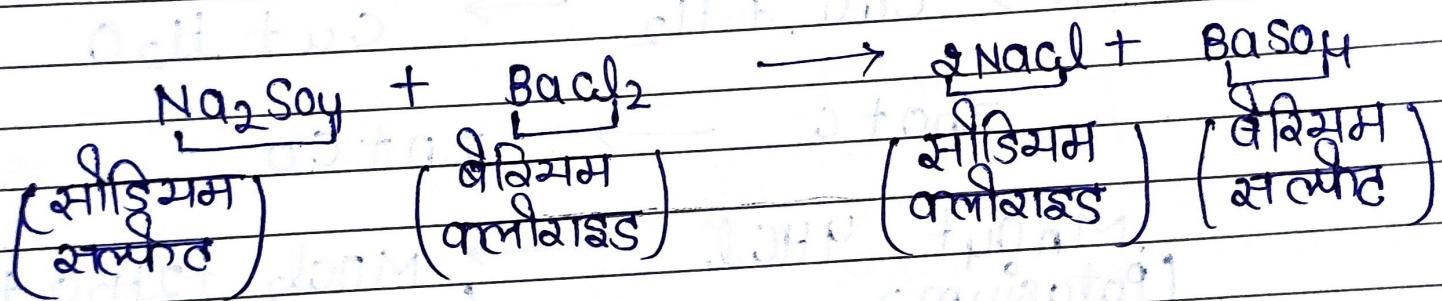
(हाइड्रोजन) (ऑक्सीजन)

3. विश्वापन अभिक्रिया \rightarrow जब वाँटी मुख्या प्रिया कील धातु वाँ विश्वापित कर दे तब विश्वापन अभिक्रिया वाहते हैं।

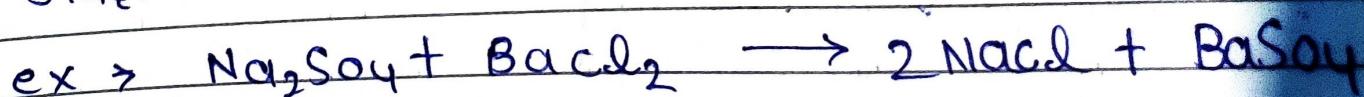




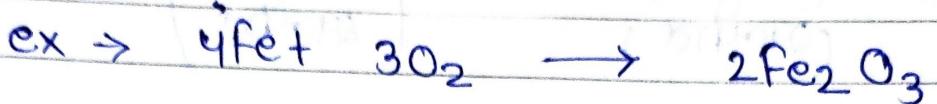
4. द्विविश्वापन अभिक्रिया \rightarrow जिस अभिक्रिया में आमत्य सॉल्यूशन की अदला - बदली होती है तो इसी अभिक्रिया का द्विविश्वापन अभिक्रिया बोहत है।



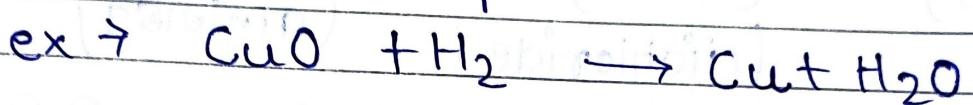
अवक्षेपण अभिक्रिया \rightarrow ये अधुखनशील ठीक से जिसे अवक्षेपण कहते हैं द्विविश्वापन अभिक्रिया का प्रशंसन बनता है। इस प्रकार की अभिक्रियाओं की अवक्षेपण अभिक्रिया कहते हैं।



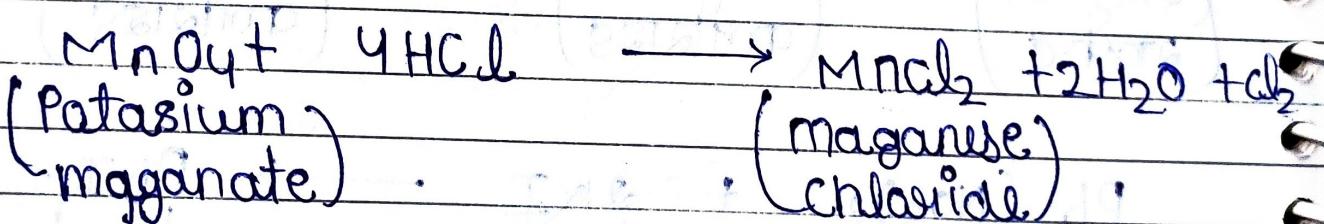
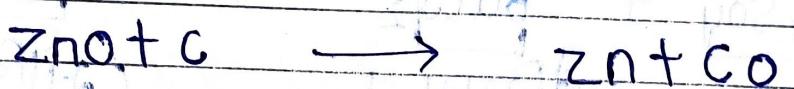
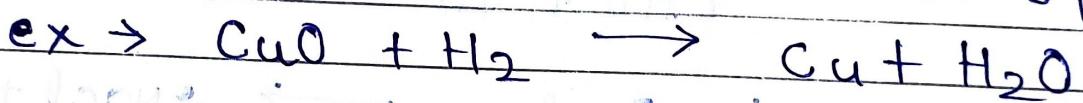
5. उपचयन \rightarrow आकॉसीजन का खुड़ना और इंश्ट्रीजन का छतना उपचयन अभिक्रिया पाहलाता है।



6. अपचयन \rightarrow आकॉसीजन का छतना, और इंश्ट्रीजन का खुड़ना अपचयन अभिक्रिया पाहलाता है।



7. अपचयन \rightarrow उपचयन जिसमें दीनी विकार की अभिक्रिया ही होती है उसे अपचयन, उपचयन अभिक्रिया कहते हैं।



अ आकॉसी प्राकृति
 \rightarrow वह पदार्थ जो आकॉसी जन श्वेता हो भा हाइड्रोजन प्राप्त करता है उसे आकॉसी प्राकृति कहता है जो आकॉसी प्राकृति का अभीक्रिया करता है।

उपचयन
 \rightarrow वह पदार्थ इंश्ट्रीजन श्वेता हो भा आकॉसीजन पाता है उसे अपचयन कहते हैं जो अभीक्रिया करता है।

संक्षारण → धातु का प्रतिवर्णीय रीक्टी जैसे आदि के प्रभाव से धीरे-धीरे O_2 , CO_2 नष्ट होना।
 → यह हमारी जमी के प्रभाव से धातु की सतह पर धीरे-धीरे स्थिरतापन होना जिसे संक्षारण कहते हैं।
 खंग लगाना → लूह की सतह का उपराष होना खंग लगाना पाठ्लाता है।

* संक्षारण के बचाव → (i) तेल लगाना।
 (ii) zinc की परत लगाना।
 (iii) तेल मा रिस लगाना।

विशुद्ध रंधिता → भौजन में तेल और पसान का आँकड़ोंकरण जिसके उसमें बहुत आरे उपराष क्षयाद आता है उसे विशुद्ध रंधिता कहते हैं।

* विशुद्ध रंधिता से बचाव → (i) वैकल्पिक खिंचा।
 (ii) दुवा की नाइट्रोजन से बदलना।
 (iii) भौजन की ठंडा करना।